सत्यमेव जयते

ANGAMI MHATHU KERIEU
अंगामी भाषा प्रवेशिका
ANGAMI PRIMER

CIIL-NCERT Primer Series

ई-पाठशाला

क्यूआर (QR) कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ताओं के लिए चरणबद्ध मार्गदर्शिका

प्रत्येक अध्याय के पहले पृष्ठ पर स्थित कोड बॉक्स को क्विक रिस्पांस कोड – क्यूआर (QR) कोड कहते हैं। यह आपको अध्याय में दिए गए विषयों से संबंधित ई-सामग्री, जैसे ऑडियो, वीडियो, मल्टीमीडिया, पाठ्य-सामग्री आदि को प्राप्त करने में सहायता करेगा। पहला क्यूआर कोड संपूर्ण ई-पाठ्यपुस्तक प्राप्त करने के लिए है और प्रत्येक अध्याय में दिए गए क्यूआर कोड उस अध्याय से संबंधित ई-सामग्री प्राप्त करने में मदद करेंगे। यह प्रक्रिया आपको आनंदपूर्ण तरीके से सीखने में मदद करेगी।

अपने मोबाइल फ़ोन या टेबलेट द्वारा निम्नवत् चरणों का पालन कर और ई-पाठशाला के माध्यम से ई-सामग्री प्राप्त करें।

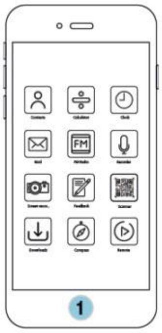

प्ले स्टोर से ई-पाठशाला स्कैनर एप इंस्टॉल करें और इसे खोलें

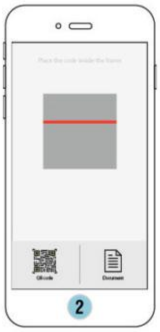

क्यूआर कोड स्कैनिंग विंडो को तैयार रखें

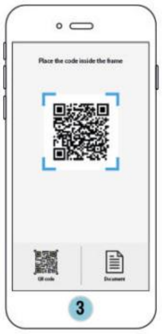

स्कैनर से क्यूआर कोड को स्कैन करें

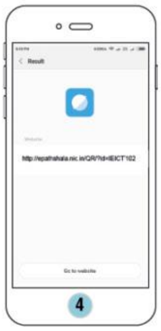

लिंक को सिलेक्ट एवं क्लिक करें

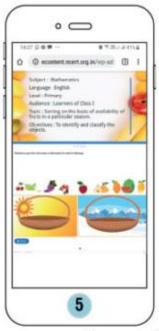

उपलब्ध ई-सामग्री का प्रयोग करें

डेस्कटॉप या लैपटॉप पर ई-पाठशाला द्वारा ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे दिए गए चरणों का पालन करें–
https://epathshala.nic.in/topics.php पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

दीक्षा

दीक्षा एप को गुगल प्लेस्टोर से डाउनलोड करें फिर नीचे दिए गए चरणों का पालन करें। **दीक्षा** का उपयोग करते हुए आप अपने स्मार्टफोन या टेबलेट से ई-सामग्री प्राप्त करें।

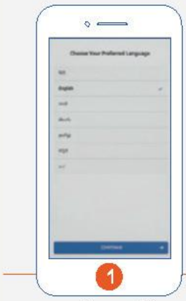

अपनी पसंदीदा भाषा का चयन करें

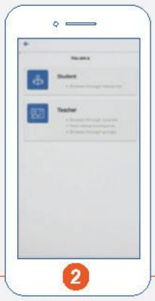

अपनी भूमिका चुनें–शिक्षक या विद्यार्थी

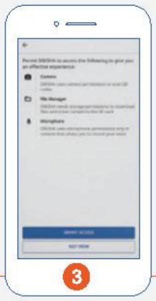

पहुँच प्रदान करें और एप को अनुमति दें

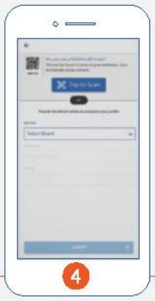

क्यूआर कोड को स्कैन करने के लिए टैप करें

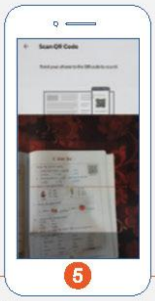

कैमरा पाठ्यपुस्तक के क्यूआर कोड पर फोकस करें

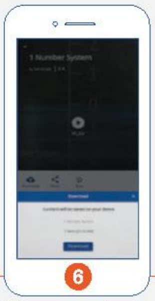

क्लिक करके क्यूआर कोड से संबद्ध ई-सामग्री प्ले करें

डेस्कटॉप या लेपटॉप पर दीक्षा का उपयोग करते हुए ई-सामग्री प्राप्त करने के लिए नीचे बताए गए चरणों का पालन करें–
https://diksha.gov.in/resources पर जाएँ और क्यूआर कोड के नीचे दिए गए एल्फान्यूमेरिक कोड को दर्ज करें।

“ जैसे हमारे जीवन को हमारी मां गढ़ती है, वैसे ही मातृभाषा भी हमारे जीवन को गढ़ती है। आजादी के 75 साल बाद भी कुछ लोग ऐसे मानसिक द्वन्द्व में जी रहे हैं, जिसके कारण उन्हें अपनी भाषा, अपने पहनावे, अपने खान-पान को लेकर एक संकोच होता है। जबकि विश्व में कहीं और ऐसा नहीं है। हमारी मातृभाषा है, हमें उसे गर्व के साथ बोलना चाहिए। और हमारा भारत तो भाषाओं के मामले में इतना समृद्ध है कि उसकी तुलना ही नहीं हो सकती। हमारी भाषाओं की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि कश्मीर से कन्याकुमारी तक, कच्छ से कोहिमा तक सैकड़ों भाषाएं, हजारों बोलियाँ एक दूसरे से अलग लेकिन एक दूसरे में रची-बसी हुई हैं। भाषा अनेक पर भाव एक। सदियों से हमारी भाषाएं एक दूसरे से सीखते हुए खुद को परिष्कृत करती रही हैं। एक दूसरे का विकास कर रही हैं।”

श्री नरेंद्र मोदी

माननीय प्रधानमंत्री, भारत

(27 फरवरी, 2022; मन की बात कार्यक्रम में)

ANGAMI MHATHU KERIEU

अंगामी भाषा प्रवेशिका

ANGAMI PRIMER

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
Ph: 0821 2515820 (Director)
email: ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
Ph: 011 2696 2580
Email: dceta.ncert@nic.in

ANGAMI MHATHU KERIEU
अंगामी भाषा प्रवेशिका
ANGAMI PRIMER

A basal reader of Angami alphabet and basic numerals for the kids of Balvatika/Anganwadi levels and adult literacy programmes through andragogy, prepared by Central Institute of Indian Languages (CIIL), Mysuru and National Council of Educational Research and Training (NCERT), New Delhi.

Editors
Dinesh Prasad Saklani
Shailendra Mohan
Aleendra Brahma
Hidam Dolen Singh

ISBN: 978-81-19411-37-5

First Edition: March 9, 2024

Published by CIIL, Mysuru in collaboration with NCERT, New Delhi.

© CIIL & NCERT 2024
All rights reserved. No part of this primer may be reproduced, stored in a retrieval system, or transmitted into any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying and recording or otherwise, without the prior permission of the publisher.

Cover Design: Nandakumar L
Cover Photo: Keneisenuo Mepfhuo & Kezha Sachü

Printed by CIIL, Mysuru and NCERT, New Delhi.

धर्मेन्द्र प्रधान
ଧର୍ମେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାନ
Dharmendra Pradhan

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

मंत्री
शिक्षा; कौशल विकास
और उद्यमशीलता
भारत सरकार
Minister
Education; Skill Development
& Entrepreneurship
Government of India

संदेश

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकसित भारत 2047 के संकल्प के मार्ग का प्रमुख अवयव भारतीय भाषाएँ हैं, जिनसे ज्ञान-विज्ञान एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच देश के समस्त बच्चों तक सुनिश्चित हो सकती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को स्कूल और उच्चतर शिक्षा के प्रत्येक स्तर के साथ एकीकृत करने की आवश्यकता पर बल देती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सिफ़ारिशों के अनुरूप ही बुनियादी स्तर की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2022, तीन वर्ष से आठ वर्ष तक की आयु-वर्ग के बच्चों के लिए मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में शिक्षण कार्य को दृष्टिगत रखकर तैयार की गई है। अनेकानेक शोधों के माध्यम से भी यही निष्कर्ष निकाला गया है कि जब छात्रों को उनकी मातृभाषा/घरेलू भाषा/स्थानीय भाषा/क्षेत्रीय भाषा में अनुदेशन दिया जाता है तब उनका शिक्षण-अधिगम अपेक्षाकृत उत्तम होता है। इसीलिए भारत सरकार ने बाल वाटिका, आद्य साक्षरता तथा बुनियादी साक्षरता की शुरुआत की है। देश के विभिन्न भागों का दौरा करते हुए तथा वहाँ के शिक्षकों एवं बच्चों से बातचीत करते समय हमें इस बात का बोध हुआ कि भारत की विभिन्न भाषाओं तथा मातृभाषाओं में भाषा शिक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण पुस्तकों की आवश्यकता है।

अतः हमने एन.सी.ई.आर.टी तथा भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु को देश की सभी भाषाओं तथा मातृभाषाओं में ऐसी प्रवेशिकाओं का निर्माण करने हेतु उत्प्रेरित किया जो न केवल वैज्ञानिक विधि से अक्षर-पहचान के साथ पढ़ना और लिखना सीखने में मदद करें, बल्कि बच्चों को वहाँ के सांस्कृतिक पहलुओं का ज्ञान भी करवाएँ। अपनी भाषा तथा संस्कृति का ज्ञान आत्मनिर्भरता तथा विकास की ओर पहला कदम होता है।

ये प्रवेशिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के अनुसार स्थानीय सामग्री के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए तैयार की गई हैं। इन प्रवेशिकाओं की मदद से बच्चे अपनी भाषाओं तथा मातृभाषाओं की ध्वनियों, वर्णों, शब्दों एवं वाक्य विन्यास के साथ-साथ संबंधित राज्य की राजभाषा/ओं तथा सभ्यता एवं संस्कृति का भी बुनियादी ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इन पहलों के माध्यम से हमारे बच्चे भारतीय ज्ञान-परम्परा की समृद्ध विरासत से भी परिचित होंगे। डिजिटल प्रारूप में ये सभी प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों को पूर्णतः निःशुल्क रूप से भी उपलब्ध होंगी।

इस अवसर पर मैं समिति के सदस्यों, विशेषज्ञों और भाषा शिक्षकों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने इन प्रवेशिकाओं को तैयार करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। मुझे विश्वास है कि ये प्रवेशिकाएँ बच्चों, शिक्षकों तथा अभिभावकों के लिए बहुत उपयोगी साबित होंगी।

(धर्मेन्द्र प्रधान)

सबको शिक्षा, अच्छी शिक्षा

स्वच्छ भारत

कौशल भारत, कुशल भारत

MOE - Room No. 301, 'C' Wing, 3rd Floor, Shastri Bhavan, New Delhi-110 001, Phone : 91-11-23782387, Fax : 91-11-23382365
MSDE - Room No. 516, 5th Floor, Shram Shakti Bhawan, Rafi Marg, New Delhi-110001, Phone : 91-11-23465810, Fax : 011-23465825
E-mail : minister.sm@gov.in, minister-msde@gov.in

प्राक्कथन

भाषा समाज का एक अभिन्न अंग है। भाषा संस्कृति का एक उपादान है, समुदाय की पहचान है और पीढ़ियों के लिए ज्ञान के संचरण का स्रोत भी है। भाषा सभ्यता के विकास को प्रेरित करती है और मानव को उच्चतर स्तर पर रूपांतरित करती है। यह तथ्य कि भारत एक बहुभाषिक देश है-एक ओर भारत की भाषिक विविधता को दर्शाता है तो दूसरी ओर यह भी बताता है कि कैसे यह एक सामाजिक विविधता है। साथ ही यह भी बताता है कि लगभग सभी भारतीय सही अर्थों में द्विभाषिक या बहुभाषिक हैं। हम जानते हैं कि भारत की 2011 की जनगणना में 121 भाषाओं और 270 मातृभाषाओं/बोलियों की सूची दी गई है। भारतीय संविधान के खंड XVII और 8वीं अनुसूची की 343 से 351 तक की धाराएँ देश की भाषाओं के मुद्दों पर हैं। बच्चों का सामाजिक एवं संज्ञानात्मक विकास भाषा के द्वारा समृद्ध होता है, क्योंकि समाजीकरण का कार्य मातृभाषा अथवा परिवार एवं पड़ोस की भाषा में होता है। यह एक स्थापित बिंदु है कि बच्चों के पास भाषाओं को सीखने की जन्मजात क्षमता होती है, अतः

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 में विद्यालयी शिक्षा के प्रारंभिक दिनों (आधारभूत चरण) में शिक्षा हेतु माध्यम के रूप में मातृभाषा के उपयोग और मातृभाषा-आधारित शिक्षा पर अत्यधिक बल दिया गया है।

विद्यालयों में बच्चों की मातृभाषा की उपलब्धता को सुनिश्चित करना और यह देखना कि बच्चे किसी अपरिचित भाषा में शिक्षा-प्राप्ति के भय से मुक्त हों-ये किसी भी सफल शिक्षा-व्यवस्था के शाश्वत सिद्धांत हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में भाषा खंड को '*बहुभाषिकता और भाषा की शक्ति*' का शीर्षक दिया गया है जो बहुत ही सटीक है तथा यह विद्यालयी शिक्षा में सभी भाषाओं के विकास के महत्व पर बल देता है। भारत सरकार देशभर में मातृभाषा-आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है और विभिन्न पहलों एवं परियोजनाओं के माध्यम से इसे लागू करने हेतु सतत प्रयास कर रही है। बच्चों की घर की भाषा में शिक्षा की यह मज़बूत नींव न केवल भविष्य में विद्यालय एवं उच्चतर शिक्षा को सबल बनाने में सहायक होगी बल्कि इसका एक उद्देश्य यह भी है कि बच्चे अन्य भाषाओं को सीखने के लिए भी प्रेरित हों।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) एवं भारतीय भाषा संस्थान (सीआईआईएल) द्वारा संयुक्त रूप से तैयार प्रवेशिकाओं) प्राइमरों(का लक्ष्य छोटे बच्चों या अन्य भाषा सीखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को मुद्रित एवं दृश्य माध्यम से भाषाओं से सुपरिचित बनाना है। इन प्रवेशिकाओं का विकास विलुप्ति का खतरा झेल रही अनेक भाषाओं के दस्तावेजीकरण के प्रयासों में भी अपना योगदान दे रहा है। अतः भाषाओं का संरक्षण और विकास करना तथा सभी भाषाओं को विद्यालय में लाकर विद्यालयी शिक्षा, विशेषकर इसके निर्माणात्मक वर्षों को समावेशी बनाना प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यह भारतीय संविधान की समानाधिकारवादी लोकतंत्र की आत्मा के अनुरूप है और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्ति के भाषिक अधिकारों का सुदृढ़ीकरण है। मुझे विश्वास है कि ये पुस्तिकाएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में परिकल्पित बहुभाषिक शिक्षा की अवधारणा को प्रोत्साहन प्रदान करेंगी। साथ ही अनेक जनजातीय, अल्पसंख्यक एवं अल्पप्रयुक्त भाषाओं में अंतर्वस्तु के विकास का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी तथा एनसीईआरटी द्वारा आधारभूत चरण हेतु विकसित अन्य सामग्रियों, जैसे- बालवाटिका, विद्या प्रवेश आदि के लिए सहायक सामग्री का कार्य करेंगी। शिक्षकों, अभिभावकों एवं बच्चों की शिक्षा के लिए कार्य करने वाले शिक्षाविदों के हाथों में इन प्रवेशिकाओं को देते हुए मैं माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन के लिए अनुगृहीत हूँ। मैं इन प्रवेशिकाओं के सफल विकास एवं प्रकाशन हेतु गठित समिति के कार्यकारी समूहों के अध्यक्षों, सदस्यों तथा समन्वयकों को भी धन्यवाद देता हूँ। मैं आशा करता हूँ कि शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार; एनसीईआरटी एवं सीआईआईएल का यह संयुक्त प्रयास मातृभाषा आधारित बहुभाषी शिक्षा के उत्थान हेतु राज्यों एवं शिक्षा के अभिकरणों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाले एक राष्ट्रीय अभियान का रूप लेगा ताकि अपनी मातृभाषा का एवं अपनी मातृभाषा में अध्ययन करने के हर विद्यार्थी के अधिकार की रक्षा हो सके।

मार्च, 2024
नई दिल्ली

प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नई दिल्ली

भूमिका / Introduction

भारत सदियों से एक बहुभाषिक देश रहा है जहाँ कई भाषाएँ/मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। यह देश की एक महत्वपूर्ण विशेषता है कि हम अपने दैनिक व्यवहार में कई भाषाओं का प्रयोग करते हैं जो हमें एक साथ बांधती हैं और एकजुट रखती हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में इस बात पर अत्याधिक बल दिया गया है कि भारत की बहुभाषिक प्रकृति एक बहुत बड़ी संपत्ति है जिसका देश के सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक विकास के लिए कुशलतापूर्वक उपयोग करने की आवश्यकता है। यह शिक्षा में हर स्तर पर बहुभाषावाद को बढ़ावा देने की अनुशंसा करती है ताकि विद्यार्थियों को अपनी भाषाओं में अधययन करने का अवसर प्राप्त हो सके। सभी भारतीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के सृजन से इस बहुभाषिक संपदा में वृद्धि होगी और इससे विकसित भारत के निर्माण में बेहतर योगदान हो सकेगा। एनईपी 2020 की अनुशंसाओं के अनुरूप, प्रारंभिक कक्षा की प्रवेशिकाओं के विकास के लिए एक व्यापक और समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जो भारत के प्रत्येक क्षेत्र की अनोखी भाषाई और सांस्कृतिक विशेषताओं के अनुरूप हो। इन प्रवेशिकाओं का उद्देश्य प्रारंभिक कक्षा के छात्रों को पढ़ने और लिखने में प्रवीणता प्रदान करना और उनकी रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देना है। यह किसी भाषा के प्रतीकों और उसकी वर्णमाला के अक्षरों के बोध, अभिज्ञान एवं उच्चारण की कुंजी है। ये प्रवेशिकाएं बच्चों को इन अक्षरों के एक या एक से अधिक समुच्चयों के अर्थ से भी अवगत कराती हैं जो उनके संयोजनों जैसे, शब्द में उन अक्षरों की आरंभिक, माध्यमिक या अंतस्थ स्थिति से बनते हैं। इसके अतिरिक्त, ये बाद में बताए गये अक्षरों के लेखन के अभ्यास को सुगम बनाने हेतु उदाहरण प्रस्तुत करते हैं और ये शिशुगीत/छंद/तुकांत बच्चों की भाषा तथा उनके संज्ञानात्मक कौशलों के विकास में भी सहायक सिद्ध होगी।

Bharat has been a multilingual country for ages, with many languages spoken in different regions of the country. Using multiple languages in our verbal repertoire is a common characteristic of the country; it binds us together and keeps us united. National Education Policy (NEP) 2020 strongly emphasises the idea, that the multilingual nature of Bharat is a huge asset that needs to be utilized efficiently for the socio-cultural, economic, and educational development of the nation. It recommends the promotion of multilingualism in education at every level so that learners get the opportunity to study in their own language(s). The creation of teaching-learning material in all Bharatiya languages will thus boost this multilingual asset and allow it to make a better contribution to ‘Viksit Bharat’. That said, developing early-grade primers in alignment with NEP 2020 requires a comprehensive and inclusive approach that addresses the unique linguistic and cultural characteristics of each region in India. These primers aim to provide not only language proficiency in reading and writing but also foster creativity and critical thinking among the early-stage learners. It is a key to pronouncing, recognising, comprehending letters of the alphabet and symbols of a language. It also familiarises children with the meaning of one or more sets of these letters made through their combinations such as letters in initial, medial and final positions of the word. Moreover, it provides examples that facilitate writing practice of the letters introduced later; and the rhymes will help students in their language development and cognitive skills.

मार्च, 2024
मैसूरु

प्रो. शैलेंद्र मोहन
निदेशक
भारतीय भाषा संस्थान, मैसूरु

CIIL-NCERT Primer Series: Angami Primer Development Team

Guidance

Dinesh Prasad Saklani, Director, NCERT, New Delhi
Shailendra Mohan, Director, CIIL, Mysuru
Chamu Krishna Shastry, Chairman, Bharatiya Bhasha Samiti (BBS), New Delhi

Advisors

Amarendra P. Behera, Joint Director, Central Institute of Educational Technology, NCERT, New Delhi
Ramanujam Meganathan, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Awadesh Kumar Mishra, Chief Coordinator (Academic), BBS, New Delhi
Sandhya Singh, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Mohd. Faruq Ansari, Professor, Department of Education in Languages, NCERT, New Delhi
Pankaj Dwivedi, Assistant Director (Admin) i/c, CIIL, Mysuru

Member Coordinator

Aleendra Brahma, Lecturer-cum-Junior Research Officer, CIIL, Mysuru

Resource Persons

Ruovise-ü Yhome, Ph.D Scholar, Department of Tenyidie, Nagaland University, Kohima Campus
Kelhouravo Kire, Ph.D Scholar, Department of Tenyidie, Nagaland University, Kohima Campus
Mhasilhoukhonuo, Ph.D Scholar, Department of Tenyidie, Nagaland University, Kohima Campus

Design Team

Nandakumar L, JRP (Technical), National Translation Mission, CIIL, Mysuru
Jewsnrang Basumatary, RP (Teaching) in Bodo, North Eastern Regional Language Centre, (CIIL), Guwahati
Saravanan A S, Graphic Editor, Scheme for Protection and Preservation of Endangered Languages (SPPEL), CIIL, Mysuru
Shwetha K, Artist, Bharatavani, CIIL, Mysuru
Puttaraju K, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
Shobharani B, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru
G. Yuvaraj, Data Input Operator, SPPEL, CIIL, Mysuru

We sincerely acknowledge the copyright holders of the pictures used in this primer, anonymously and we also declare that the pictures are used for purely educational purposes only.

HOW TO USE THE ANGAMI PRIMER

Under the National New Education Policy, 2020 and National Curriculum Framework, 2022, arrangements have been made for imparting education in mother tongue, home language, local language and regional language for children of three to eight years of age. There are numerous benefits in imparting education in the learners' mother tongue. This inculcates the sense of love for their mother language to the children. With this perspective, the Central Government has made arrangements to impart Bal Vatika to children of 3 to 6 years and basic literacy at primary-primary level to children of class I-II. It focuses on the development of children's oral language by removing their silence through local songs and stories. This is being done through the story telling and conversation practices. Along with this, language teaching book is also being used for children's voice introduction, alphabet introduction, reading and writing practice.

Teaching children in the mother tongue from Bal Vatika level to class III can develop creativity and imagination power along with their intellectual development. The meaningful method of how children can gradually learn Hindi and read and write in English language along with learning to read and write in their mother tongue has been written in detail in the National Curriculum Framework, 2022. In this book, vocabulary from children's culture and environment has been collected and given space.

The basic goal of multilingual education is to increase the proficiency of reading and writing in the state language by starting the children to read and write from the home language. Presented in Angami and English languages, this book has been prepared for teachers and students of Angami of Nagaland state. There are four major steps to fundamental literacy. In the first step, intellectual development of children is done through stories, stories and pictures. After that, for language teaching, children are introduced to the interaction of objects as well as words. Letters arranged in words are recognised. In this synonym, children learn to de-code individual letters. Through decoding, children understand the interaction between sound and letter. The basic points of how to read the language education book are written below.

Sound Introduction: Children will look at the picture and say the name of the object. Teachers will ask, what sound does the name of the picture begin with? For example, seeing the picture 'Areisi', it starts with the 'A' sound, children will recognise this.

Letter Introduction: The teacher will first tell the children how the letter 'A' looks. Out of some of the given words, 'A' is asked to identify the letter. Out of three or four words, children will pronounce the sound of the letter 'A' and practice writing the letter 'A'.

Reading: Children will speak words in their own language by looking at pictures. Children will read 'Areisi' by running their finger from left to right of that word. By reading other words and where 'A' is in the words, children will recognise and pronounce 'A'. The teacher will tell the children, where 'A' is, at the beginning, middle and end of the word.

While reading 'A' on the black board, the teacher will also write three or four other words along with the word 'Areisi". He will ask the children to read words and recognise letters. Children will be able to recognise these words by looking at the pictures in the book. Children will feel comfortable reading it in their mother tongue.

Writing: Teachers will first teach children to write 'A' of the word 'Areisi'. Teachers will show you how to move the pen to write from left to right. After that, the children will write 'A' themselves in the blank space given in the book and by looking at the alphabet. Teachers will assist in this while children read and write.

Puocha rhiepiekezhüko meho di thechü khakeshüko nu rhie dojüshülie:

Puocha pedou :

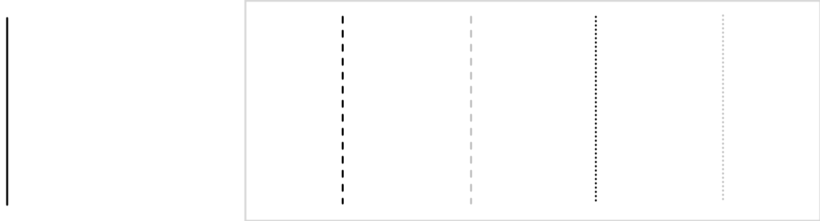

Puocha pephi :

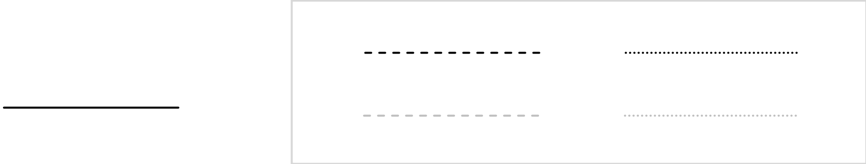

Puocha pepe 1 :

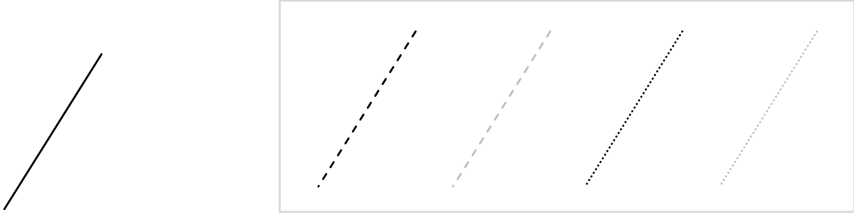

Puocha pepe 2 :

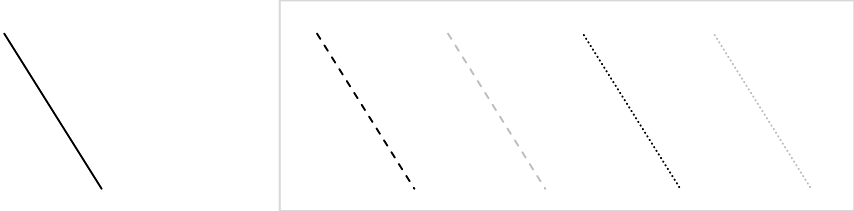

Puocha rühou 1 :

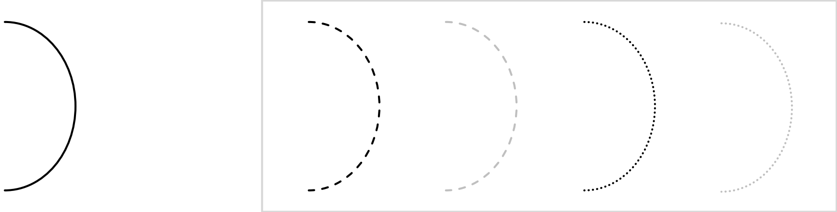

Puocha rühou 2 :

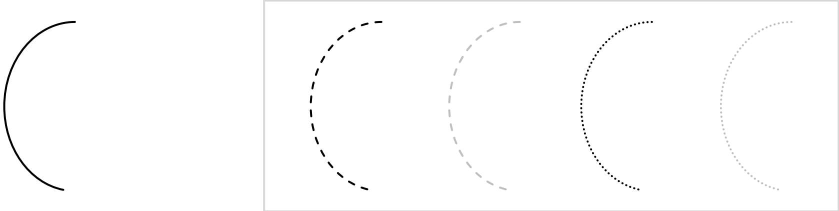

Si kezhü: Kepethako bu kikemhie di kethusei theze di thechü khakeshüko nu puocha rhietuo shikecü pethashü morosuo.

ANGAMI LESHÜKHU
(Angami Alphabet)

KHUCA (Vowels)

PUOKHU KEZHAU (Capital letter)

A E I O U Ü

PUOKHU KECÜYO (Small letter)

a e i o u ü

KHUCA-MEVI (Semi-vowels)

PUOKHU KEZHAU (Capital letter)

WA YE

PUOKHU KECÜYO (Small letter)

wa ye

KHUNIE (Consonants)

PUOKHU KEZHAU (Capital letters)

BÜ CÜ DÜ FÜ GÜ
HA JÜ KÜ LÜ
M N
PÜ RÜ SÜ TÜ VÜ ZÜ

PUOKHU KECÜYO (Small letters)

bü cü dü fü gü
ha jü kü lü
m n
pü rü sü tü vü zü

A

Areisi

Groundnut

Alapa geinu kiya dziekha keliepfüya.

Niaki niathutsa nu par. Shüzha rapfü-e puo zie teimekieya.

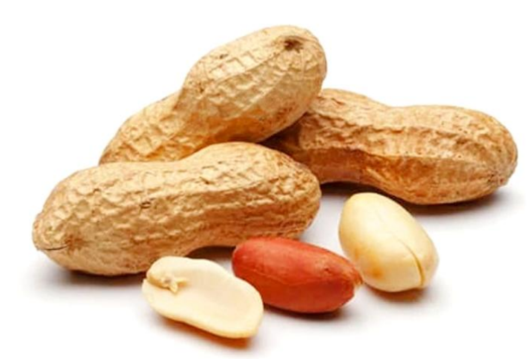

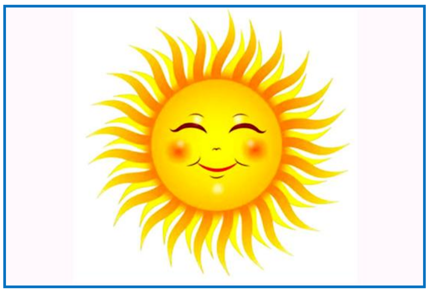

Alapa	Niaki	Shüzha
Left hand ring finger	Sun	Crow

A A A

BÜ

Bengenuo

Tomato

Boukhruo-e boukrhuo boukhruo idi ruoya.

Theba nu ba rüleilieya.

Shübe pie lie valieya.

Boukhruo	Theba	Shübe
Owl	Chair	Chaff

B B B

CÜ

Cü

Necklace

Care kecükezha nyiya.
Kecüca cücü menuolie.
Rücü yie kekreikecü nyi.

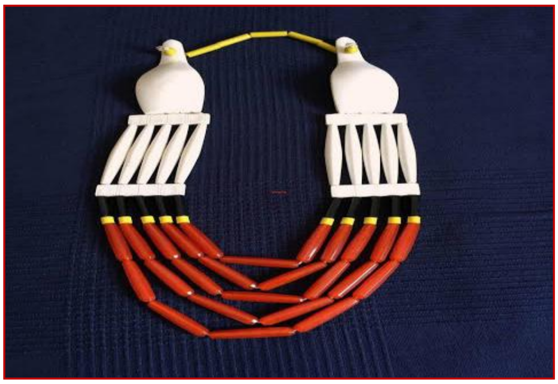

Care	Kecüca	Rücü
Gate	Food	Bean

C C C

DÜ

Dzü

Water

Dzünuo kedzüko cü vi.

Thedzie cha sekecü rei nyiya.

Thudoko zha seya.

Dzünuo

Taro

Thedzie

Hand

Thudo

Ox

D D D

E

Enuo

Calf

Thevo puo yie kecükezha nyi.

Temvü-e nha pete cüya.

Chümerie kemerieu cü vi.

Thevo	Temvü	Chümerie
Pig	Goat	Garlic

E E E

FÜ

Fünyie

Puppy

Fira nyiepou kezivi puo.

Tefü kifükhro ki pfhe ba.

Tepfi puo phi puo dzie kemhietouya.

Fira	Tefü	Tepfi
Bougainvillea	Dog	Monkey

F F F

GÜ

Guorünuo

Frog

Gakhro khro puo se galho lho.

Ganyagarako donu ganya puore kenyi puo.

Seyie pete nu Ahng nyi phre.

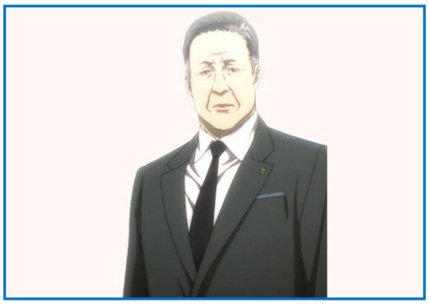

Gakhro	Ganyagara	Ahng
Roselle	Vegetable	Governor

G G G

HA

Haho

Bat

Hutu rayo-e hutututu idi ruoya.
Tehie nunu dzü krieya.
Pfhesei gei puozie thenie baya.

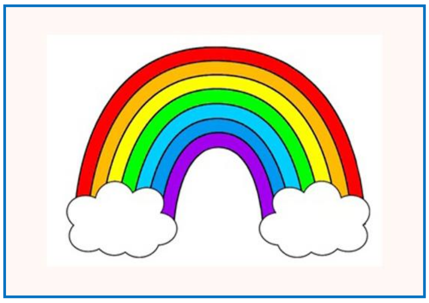

Hutu	Tehie	Pfhesei
Cuckoo	Cup	Rainbow

H H H

I

Chiede

Fig

Chiekru khunuoyo puo mo gei puo hu nyiya.
Keriemisi pfhe misi pfhe mhielieya.
Keli seibo meli vi se.

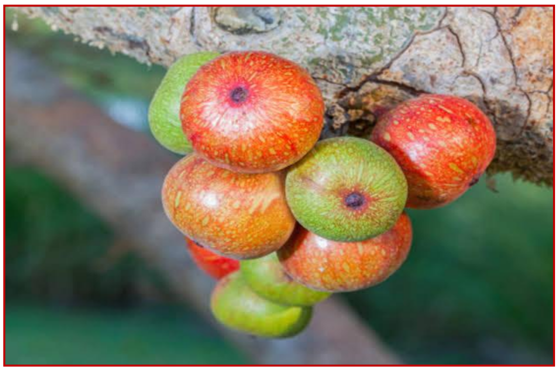

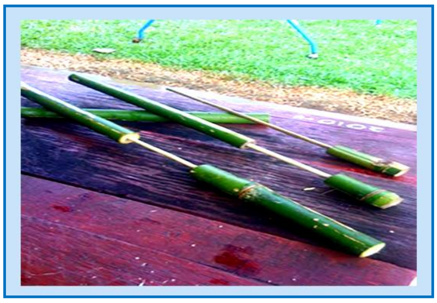

Chiekru	Keriemisi	Keli
Porcupine	Bamboo gun	Squirrel

I I I

JÜ

Jokhrei

Green

Jütho jüthuo meyaya.

Kijüthou gei pera kra se.

Kijü-ue ta niaki whi baya.

🟩

Jütho

Angami spade

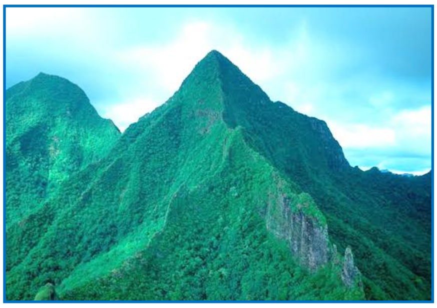

Kijüthou

Mountain

Kijü

Earth

J	J	J	

KÜ

Khurhü

Leopard

Khube bepie nhasidzü chüya.

Dzükhou dzü tekhou dzü ki mesakuo.

Tekuo mie pie pfhenei chüya.

Khube	Dzükhou	Tekuo
Grape	Pond	Sheep

K K K

LÜ

Lalho

Datura

Lhako mu ga kesa pie galho lhocüya.
Telha pete lhawe chülieya mo.
Bel kemouko cü vi se.

Lhako	Telha	Bel
Uncooked rice	Rice crop	Passion fruit

L L L

M

Merosi

Mango

Mesü pie mesü chü di dzü dipfüya.

Themvükoe theva zieshüya.

Muduram kemouko cü vi.

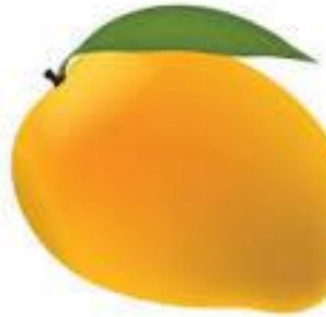

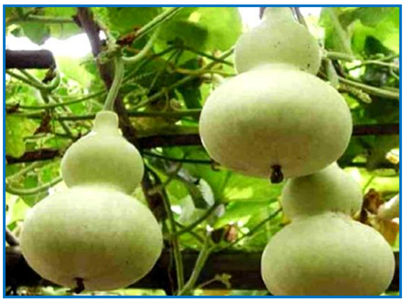

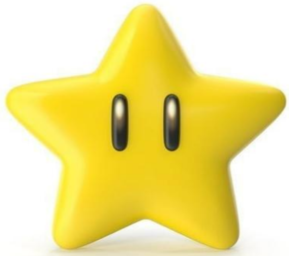

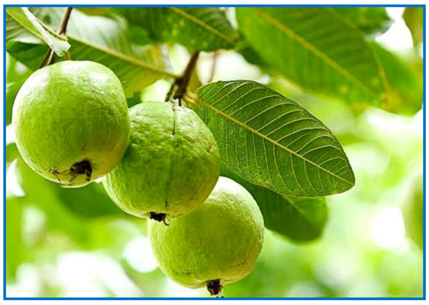

Mesü	Themvü	Muduram
Bottle gourd	Star	Guava

M M M

N

Niaki

Sun

Noula pie nhicumia nei chülieya.

Unyieto gei unyie keriya.

Tinyhü puo phi puo dzie jü.

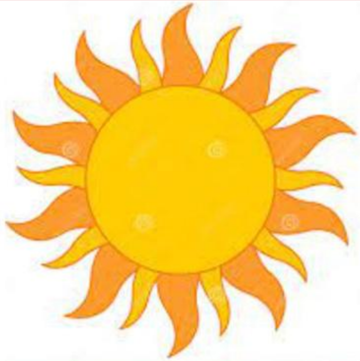

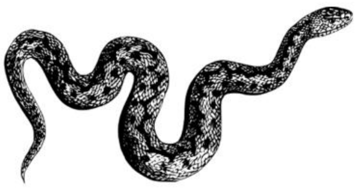

Noula	Unyieto	Tinyhü
Snail	Ear	Snake

N N N

O

Ow-iyie

Gecko

Tso khunuoko donu kekuotho puo.
Khouvie tathu cü vi se.
Shüro puo tsa shülieyakezha khunuo puo.

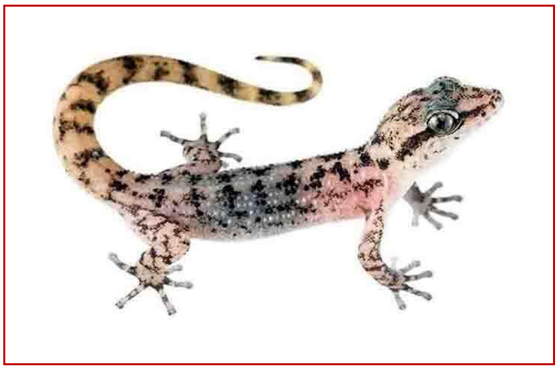

Tso	Khouvie	Shüro
Elephant	Chives	Spider

O O O

PÜ

Pera

Bird

Pekrie kezi
kemetoupie kepeya.
Nyiepou puopou pou ba.
Kepruo tei gei pruo tuo.

Pekrie	Nyiepou	Kepruo
Snow	Flower	Aeroplane

P P P

RÜ

Rüva

Leech

Rücü nu khuo kecü nyi phi.
Kijürazhako zivithorya.
Kier ta vi seyakezha
khunuo puo.

Rücü	Kijürazha	Kier
Stream	Valley	Horse

R R R

SÜ

Seibo

Tree

Shüko tshüko kecükezha chüya.
Theshünyo rünyo kemetei puo.
Ketsa nu ha khunuo kekra baya.

Shüko	Theshünyo	Ketsa
Corn	Sand	Forest

S S S

TÜ

Tekhu

Tiger

Thega khunuo kezha puo.

Tathu tathucü chüsi pekraya.

Thatshu si puokou prou prieprieya.

Thega	Tathu	Thatshu
Bear	Pickle	Jackfruit

T T T

U

Umhi

Eye

Utsü gei utsütha ba.
Khunuo khurinuoko uko zho vi.
Tekhou nu tekhu vorya mo.

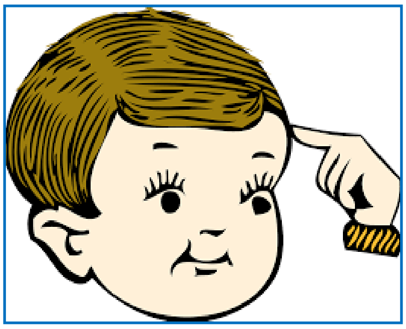

Utsü	Khunuo	Tekhou
Head	Animal	Paddy field

U U U

Ü

Übou

Naga drum

Ü huo rünyü vi seya.
Rüli cha tuo rüleiya.
Thovü pera kezha puo.

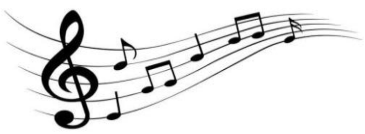

Ü	Rüli	Thovü
Song	Buffalo	Hornbill

Ü Ü Ü

VÜ

Vüdzü

Rooster

Vüprü ha vüdzü rhi mhieya.
Uvo vori phicü vi mo.
Khrüva pie khrüphi chüya.

Vüprü	Uvo	Khrüva
Jungle fowl	Neck	Glass

V V V

WA

Wi

Mithun

Wikia ha se hiekia chü di pieya.
Dzü bu sei petsewa ro seiko rüwi votaya.
Rüna keweko pie nawe isiya.

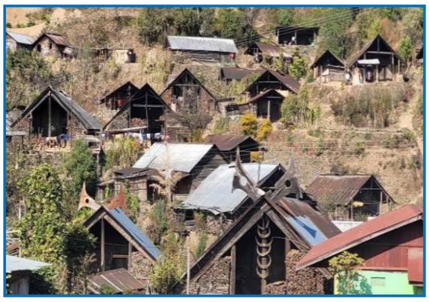

Wikia	Rüwi	Nawe
Mithun horn	Crooked	Old village

W W W

YE

Yakou

Naga traditional bed

Themia u yho kekrei phre.
Keya pera kezha puo.
Seyieko nu Leacy nyi phre.

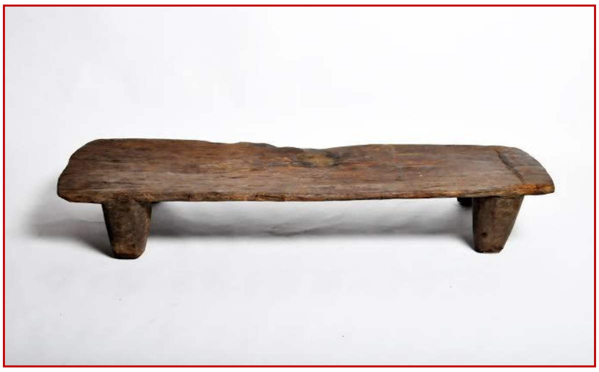

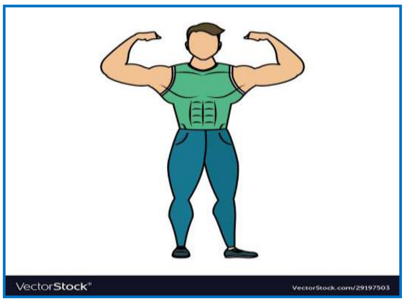
VectorStock®
VectorStock.com/29197503

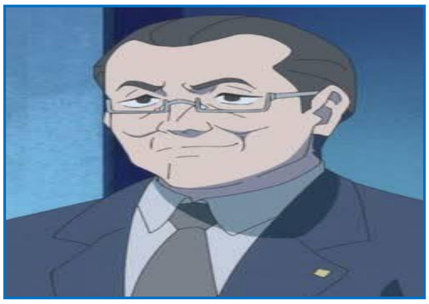

Yho	Keya	Leacy
Strong	Eagle	M.L.A.

Y	Y	Y	

ZÜ

Zü

Powder

Zhietenuo sü seivazhie ki cü.
Prazhüki nu themia kekra baya.
Thezu yie kekreikecü nyi.

Zhietenuo	Prazhüki	Thezu
Knife	Hostel	Rat

Z Z Z

MHAPHRÜKHUKO (Counting Numbers)		
1	Puo	🥭
2	Kenie	🥭🥭
3	Se	🥭🥭🥭
4	Dia	🥭🥭🥭🥭
5	Pengou	🥭🥭🥭🥭🥭
6	Sorou	🥭🥭🥭🥭🥭🥭
7	Thenie	🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭
8	Thetha	🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭
9	Thepfü	🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭
10	Ker	🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭

11	Kerepuo	🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭 🥭
12	Kerekenie	🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭 🥭🥭
13	Kerese	🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭 🥭🥭🥭
14	Keredia	🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭 🥭🥭🥭🥭
15	Kerepengou	🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭 🥭🥭🥭🥭🥭
16	Keresorou	🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭 🥭🥭🥭🥭🥭🥭
17	Kerethenie	🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭 🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭
18	Kerethetha	🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭 🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭
19	Kerethepfü	🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭 🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭
20	Mepfü	🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭 🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭🥭

1	1	1	1	
2	2	2	2	
3	3	3	3	
4	4	4	4	
5	5	5	5	
6	6	6	6	
7	7	7	7	
8	8	8	8	
9	9	9	9	
10	10	10	10	

11	11	11	11	
12	12	12	12	
13	13	13	13	
14	14	14	14	
15	15	15	15	
16	16	16	16	
17	17	17	17	
18	18	18	18	
19	19	19	19	
20	20	20	20	

ENGLISH LESHÜKHU

(English Alphabet)

A B C D E

F G H I J

K L M N O

P Q R S T

U V W

X Y Z

ePathshala

Step-by-Step guide for users to access e-resources linked to QR Codes

The coded box placed on the first page of every chapter is called quick Response (QR) Code. It will help you to access e-resources such as audios, videos, multi-media, texts, etc. related to themes given in the chapter. The first QR code is to access the complete e-textbook. The subsequent QR codes will help you access the relevant e-resources linked to each chapter. This will help you enhance your learning in a joyful manner.

Follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using ePathshala

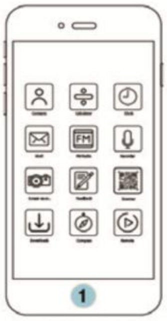

Install ePathshala Scanner app from Play Store and open

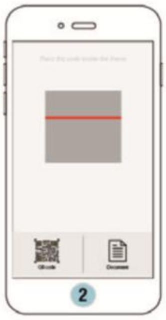

Get ready with QR code scanning window

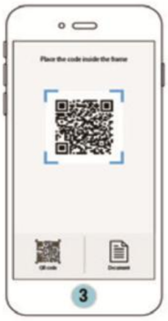

Place scanner above the QR code

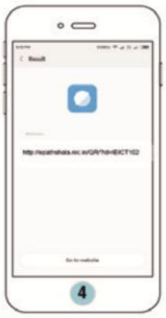

Select and click on the link

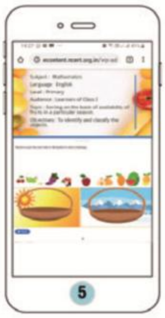

Use available e-Resource

For accessing the e-Resources using e-Pathshala on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://epathshala.nic.in/topics.php and enter the alphanumeric code given below the QR code

DIKSHA

Download **DIKSHA** app from Google Playstore and follow the steps given below and access the e-Resources through your smartphone or tablet using **DIKSHA**

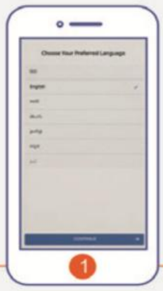

Select preferred language

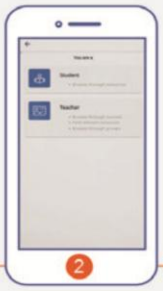

Choose your role: Student or Teacher

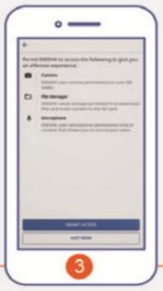

Grant access and allow app permissions

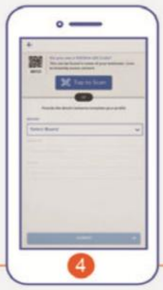

Tap to scan the QR code

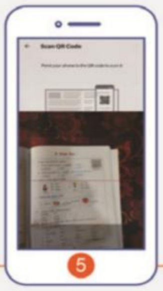

Focus camera on the QR code in textbook

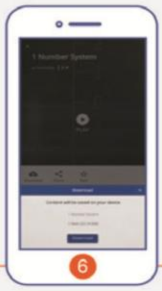

Click to Play QR code specific e-resource(s)

For accessing the e-Resources using DIKSHA on desktop or laptop follow the step stated below:

Go to https://diksha.gov.in/resources and enter the alphanumeric code given under the QR code

PREPARATION OF BILINGUAL PRIMERS (EARLY GRADE) FOR BHARATIYA LANGUAGES JOINTLY BY CIIL & NCERT (Phase-1)

SCHEDULED LANGUAGES

Sl. No.	Languages
1	ASSAMESE
2	BENGALI
3	BODO
4	DOGRI
5	GUJARATI
6	HINDI
7	KANNADA
8	KASHMIRI
9	KONKANI
10	MAITHILI
11	MALAYALAM
12	MANIPURI
13	MARATHI
14	NEPALI
15	ODIA
16	PUNJABI
17	SANSKRIT
18	SANTALI
19	SINDHI
20	TAMIL
21	TELUGU
22	URDU

NON - SCHEDULED LANGUAGES

Sl. No.	Languages
1	ADI
2	ANAL
3	ANGAMI
4	AO
5	BHILI (VASAVA)
6	BHUTIA
7	BISHNUPRIYA MANIPURI
8	DEORI
9	DIMASA
10	GADABA (GUTOB)
11	GARO
12	HALBI
13	HMAR
14	JATAPU (KUVI)
15	JUANG
16	KABUI
17	KARBI
18	KHANDESHI
19	KHARIA
20	KINNAURI
21	KISAN (KUNHU)
22	KODAVA
23	KOKBOROK
24	KOLAMI
25	KONDA
26	KORKU
27	KORWA
28	KOYA
29	KUI
30	KUKI
31	KURUKH
32	KUZHALE (KHEZHA)
33	LEPCHA
34	LIANGMAI
35	LIMBU
36	LOTHA
37	MAO
38	MISHMI (IDU)
39	MISING
40	MIZO
41	MOGH
42	MUNDARI
43	NYISHI (NISSI)
44	RABHA
45	RAI
46	SHERPA
47	SAVARA (SORA)
48	SÜMI (SEMA)
49	TAMANG
50	TANGKHUL
51	TANGSA
52	TIWA (LALUNG)
53	TULU
54	WANCHO

भारतीय भाषा संस्थान
Central Institute of Indian Languages
(Department of Higher Education, Ministry of Education, GoI)
Manasagangotri, Mysuru - 570 006
☎ 0821 2515820 (Director) / ✉ ada-ciilmys@gov.in

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
National Council of Educational Research and Training
Sri Aurobindo Marg
New Delhi - 110016
☎ 011 2696 2580 / ✉ dceta.ncert@nic.in